पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश अप्रैल, 2021

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां: अनुलग्क-1** में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/मामले आदि**: शून्य।

3. सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन

क्रम सं	**अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समिति के निर्णयों की संख्या।**	**प्रस्तावित कार्य योजना / समय सीमा।**	**अभ्युक्तियां**
1	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने का प्रस्ताव । पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विदेश मंत्रालय उन देशों की जांच एवं पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकडने में सहयोग करसकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय दायित्वों के भाग के रूप में कानून के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमी आदि के संबंध में एक दस्तावेज प्रकाशित करेगा। इसके बाद, भारत को वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में शामिल होना चाहिए या नहीं, इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनः बैठक होगी।	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित पहलुओं की जांच की है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग के लिए इन देशों को अनंतिम रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। तथापि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है। मसौदा दस्तावेज	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के साथ सहयोग के लिए नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

		तैयार है और मंत्रिमंडल सचिवालय के सुझाव प्राप्त हो गए हैं।	

4. मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले: शून्य।

5. ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के स्थापित कार्य व्यवहार- नियमों में छूट दी गयी है: शून्य

6. ई-प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति: कार्यान्वित किया जा रहा है।

7. **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निपटाई गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
12	11

8. प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय/विभागों द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:

समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल II जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9 (i) **इस बात की पुष्टि की जाए कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा अनुलग्नक-II में दिया गया है।

(ii) **मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबधी समिति के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति**: इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

(iii) **उन मामलों की स्थिति, जहां पीईएसबी से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है**: शून्य

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

1. 2021 के लिए दक्षिणी पश्चिमी मौसम की बारिश का पहले चरण का दीर्घावधी पूर्वानुमान भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी किया गया। मात्रात्मक रूप से मानसून मौसम (जून से सितंबर तक) में वर्षा के दीर्घावधि औसत 5% की मॉडल त्रुटि सहित 98% रहने की संभावना है।
2. राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा मध्य हिंद महासागर में 5270 मीटर की गहराई में खनन मशीन के लोकोमोशन परीक्षण का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।
3. 'सिस्टमैटिक अकाउंट ऑफ ए फ्यू इंडियन लोबस्टर्स फ्रोम डीप सी एंड कोरल रीफ इकोसिस्टम्स' शीर्षक वाली एक ई-बुक समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केन्द्र की वेबसाइट पर अपलोड की गई। इस अध्ययन की प्रमुख बातें भारतीय समुद्रों के लिए एन.रहायूए तथा जी. गिबरोसस के 2 नए भौगोलिक रिकॉर्ड हैं।
4. भारत ने अप्रैल, 2021 में अंटार्कटिका के लिए 40वें वैज्ञानिक अभियान की वापसी के साथ ही अंटार्कटिका में वैज्ञानिक प्रयासों के चार दशक सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।
5. 28 अप्रैल, 2021 को असम के सोनितपुर में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। असम के सोनितपुर और इसके आसपास 3.2 से 4.7 तीव्रता के 7 आफ्टरशॉक्स भी आए।

निर्णय/ अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए उपयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 28.78 मिलियन किसान सीधे तौर पर एस.एम.एस के जरिए एग्रोमेंट परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/ केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन	351*		338
स्वचालित वर्षा मापक	418**	--	418
जीपीएस सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू (रेडियो सोंडे/रेडियो वायु) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	30***	--	27

ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	11
आकाश रेडियोमीटर	20	--	19
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग	---	--	3046
उड्डयन	79	--	79
विकिरण स्टेशन	46	---	46

*कुल 724 मे से 371 पुराने हैं।

**कुल 1363 में से 932 पुराने हैं।

*** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडारों सहित।

मॉडलिंग

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र ने अगले 4 सप्ताहों तक युग्मित मॉडल आधारित विस्तारित रेंज पूर्वानुमान स्पेस एप्लीकेशन सेंटर/भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टेब्लिसमेंट/ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन,भारतीय वायु सेना, नौसेना, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी तथा बंगाल इनिशिएटिव फोर मल्टी सेक्टोरल टेक्नीकल एंड इकोनोमिक कॉऑपरेशन देशों को उपलब्ध कराए गए। बर्फ पुर्वानुमानों में साप्ताहिक विसंगति एसएएसई/डीआरडीओ को भेजी गई।

मासिक मौसम सारांश (अप्रैल, 2021)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

निम्न दाब प्रणाली:- 31 मार्च, 2021 को प्रात:काल दक्षिण पूर्व बंगाल की खाडी तथा दक्षिण अंडमान सागर में निम्न दाब का क्षेत्र बना, जिससे अंडमान द्वीपों कं अधिकांश स्थानों पर मध्यम बारिश हुई। अप्रैल, 2021 माह के दौरान, 10 पश्चिमी विक्षोभों और 4 प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरणों ने उत्तरी पश्चिमी भारत को प्रभावित किया जिससे पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के उत्तरी भागों, प्रायद्वीपीय भारत, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं कराईकल तथा केरल एवं माहे, तेलंगाना, कर्नाटक के उत्तरी मध्य भाग,मध्य महाराष्ट्र, मराठवाडा, विदर्भ एवं छत्तीसगढ, उत्तरी पूर्वी भारत तथा पूर्वी भारत के समीपवर्ती क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा/बर्फबारी/तूफान आए। माह के पहले हफ्ते में राजस्थान के कुछ भागों में धूल भरी हवाएं चली।

लू: माह के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के उत्तरी भागों, पूर्वी एवं पश्चिमी राजस्थान, पुदुच्चेरी एवं कराईकल, गांगेय पश्चिम बंगाल, उडीसा के तटीय भागों, हरियाणा, चंडीगढ, दिल्ली, मध्य प्रदेश और विदर्भ, तेलंगाना, रायलसीमा, उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भाग तथा सौराष्ट्र एवं कच्छ में अनेक स्थानों पर लू और अत्यधिक लू की स्थितियां रहीं।

ख) वर्षा परिदृश्य: अप्रैल, 2021 माह में, पूरे देश में 31.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 39.3 मिमी. का 79% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 0 64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे।	-
दिन 2/48 घंटे	-
दिन 3/72 घंटे।	-

घ) तापमान परिदृश्य: अप्रैल, 2021 माह के दौरान देश का समग्र औसत तापमान 28.4 डिग्री से. रहा; जो 0.38 डिग्री तक लगभग सामान्य था। माह के दौरान मैदानों में अधिकतम तापमान बांदा (पूर्वी उत्तर प्रदेश) में 28 अप्रैल, 2021 को 45.2 डिग्री सी दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान पंतनगर (उत्तराखंड) में 3 अप्रैल 2021 को 4.8 डिग्री सी दर्ज किया गया।

ड.) गरजना और ओलावृष्टि की घटनाएं: माह के दौरान (माह के अंतिम दिन भारतीय मानक समय के अनुसार 0830 बजे तक) गरजना और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे सारणी में दी गई हैं:

क्र.सं.	क्षेत्र	टीएस दिन	अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की घटना की तारीख	ओलावृष्टि की घटनाएँ	गरजना की घटनाएँ
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	0	0	01(मीडिया-हमचडकट्टे में 27-04-21 को)	0
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	0	0	01(कुपवाडा में 05-04-21 को) 01(पहलगाम में 18-04-21 को) 01(बीकानेर-मीडिया में 20-04-21 को) 01 (एमओ शिमला में 21-04-21 को) 01(टिहरी में 23-04-21 को) 01 (मुक्तेश्वर में 24-04-21 को)	01(अंबाला में 29-04-21 को)
3.	पूर्वोत्तर भारत	0	0	01(डिब्रूगढ में 01-04-21 को)	01 (डिब्रूगढ में 01-04-

				01(पासीघाट में 02-04-21 को) 01(तेजपुर में 03-04-21 को) 01(गुवाहाटी में 13-04-21 को) 01(धुबरी में 18-04-21 को) 01(गुवाहाटी में 28-04-21 को)	21 को) 01 (एन/लखीमपुर में 04-04-21 को) 01(अगरतला में 17-04-21 को) 01(गुवाहाटी में 18-04-21 को) 01(अगरतला में 21-04-21 को)
4.	पूर्वी भारत	0	0	02(डायमंड हार्बर, हल्दिया में 04-04-21 को) 01(अलीपुर में 05-04-21 को) 02(कूचबिहार, क्योंझरगढ में 08-04-21 को) 01(कूचबिहार में 10-04-21 को) 01(गंगटोक में 14-04-21 को) 02(पैकॉग, दार्जिलिंग में 15-04-21 को) 05(गंगटोक, तडोंग, पैकॉग, दार्जिलिंग, जलपाईगुडी में 16-04-21 को) 03(गंगटोक, कूचबिहार, जलपाईगुडी में 18-04-21 को) 01(जलपाईगुडी में 22-04-21 को) 03(गंगटोक में 26-04-21, 28-04-21 और 30-04-21 को)	01(श्रीनिकेतन में 04-04-21 को) 01(पारादीप में 18-04-21 को)
5.	मध्य भारत	0	0	0	02(नागपुर, रायपुर-माना में 10-04-21 को) 01(नागपुर में 14-04-21 को)
6.	पश्चिमी भारत	0	0	02(मेडिया-बीड, केगल में 26-04-21 को) 01(महाबलेश्वर में 27-04-21 को) 02(कोल्हापुर, मेडिया उस्मानाबाद में 29-04-21 को)	01(अहमदाबाद में 27-04-21 को)

जारी किए गए बुलेटिन/चेतावनियाँ/प्रेस विज्ञप्ति:

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 120, अखिल भारतीय मौसम पुर्वानुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनियां - 120, अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-5, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित पर्वत मौसम बुलेटिन-60, समुद्री मौसम बुलेटिन-60, प्रतिकूल मौसम तत्काल पुर्वानुमान दिशानिर्देश बुलेटिन-30, उतरी हिंद महासागर के डब्ल्यूएमओ/डब्ल्यूएससीएपी पैनल सदस्य देशों के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-30, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन-30, चक्रवात उत्पत्ति से संबंधित विस्तारित रेंज-5, शीतकालीन मौसम प्रणाली के लिए एफडीपी बुलेटिन-30

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें:

(i) अप्रैल, 2021 माह के लिए ईएनएसओ और हिंद महासागर द्विध्रुव बुलेटिन तथा 2021 के अप्रैल से जुलाई महीनों के लिए दक्षिण एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गएं।

(त्वरित लिंक:www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html

(ii) 07.04.2021, 14.04.2021, 21.04.2021 और 28.04.2021 को समाप्त हुए सप्ताहों के लिए चार साप्ताहिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक मानचित्र तैयार किए गए तथा एग्रोमेट परामर्शिका सेवा बुलेटिन में प्रयोग के लिए दे दिए गए। इन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया।

(iii) अप्रैल, 2021 को समाप्त माह के लिए भारत के जलवायु नैदानिक बुलेटिन में प्रयोग के लिए मासिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक मानचित्र तैयार किए गए। इन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया।

महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्तियां: भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिनांक 16 अप्रैल, 2021 को डॉ.एम.महापात्रा, डीजीएम, भारत मौसम विज्ञान विभाग की उपस्थिति में डॉ. एम. राजीवन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अध्यक्षता में एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दक्षिण पश्चिमी मानसून मौसम की बारिश 2021 के लिए दीर्घावधि पुर्वानुमान जारी किए। उत्तराखण्ड के लिए पूर्वानुमान:-5, दक्षिण पश्चिम मानसून बारिश के लिए दीर्घावधि पूर्वानुमान 2021: 2 (हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों में), वर्तमान मौसम स्थिति और दो सप्ताहों के आउटलुक:5, साउथ एशियन आउटलुक क्लाइमेट फोरम(एसएएससीओएफ-19) का 19वां सत्र तथा क्लाइमेट सविज यूजर्स फोरम ऑनलाइन सत्र, 26-28 अप्रैल, 2021:1, 12 से 18 अप्रैल के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत तथा उत्तर पश्चिमी भारत/पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के ऊपर वेट स्पैल: 2, उत्तरी अंडमान सागर तथा आसपास के क्षेत्र पर अवदबाव: 1

भूकंप विज्ञान संबंधी प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकप स्टेशन	115	115	105
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से 20 वीसैट से जुडे हैं, शेष 20 स्टेंड अलोन मोड में परिचालित हैं।

भूकंपन और सुनामी निगरानी

भूकंप: भारतीय क्षेत्र में 135 भूकंप निगरानी में आए जिनमें से 4 भूकंप 5.0 तीव्रता से अधिक के थे

सुनामी: सुनामी पैदा करने की क्षमता वाले 0 समुद्र तलीय भूकंप (M> 6) आए।

समुद्री प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	लक्ष्य	अप्रैल, 2021 तक स्थापित	अप्रैल, 2021 के दौरान प्राप्त डाटा
एग्रो फ्लोट्स *	200	374	110
मुरे बुआय	16	19	12
टाइड गॉज	36	36	32
उच्च आवृत्ति रडार	10	12	10
एक्वास्टिक डॉप्लर करंट प्रोफाइलर	20	20	18
सुनामी बुआय	4	7	3
वेब राइडर बुआय	23	16	12

*शेष फ्लॉट/र्डिफ्टर अपना जीवनकाल पूरा कर चुके हैं तथा उनसे कोई आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

समुद्र विज्ञान सेवाएं

संख्या	पूर्वानुमान का प्रकार	माह के दौरान जारी परामर्शिकाएं
1	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र परामशिकोएं (समुद्र सतह तापमान, क्लोरोफिल, वायु)	29
2	टूना मत्स्यन परार्मशिकाए	28
3	समुद्री दशा पूर्वानुमान-लहर, वायु, समुद्री सतह का तापमान, मिक्स्ड लेयर डैफ्थ और डी 20 पूर्वानुमान	31
4.	रीयल टाइम वैश्विक समद्री विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल ब्लीचिंग चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच और जागरुकता

राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र ने दिनांक 5 अप्रैल, 2021 को वर्चुयली **अपना स्थापना दिवस मनाया। मोनैस विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर स्टीवन एल चॉन ने 'सहयोगी अंतरराष्ट्रीय अंटार्कटिक अनुसंधान एवं हमारा आने** वाला **भविष्य' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। लगभग 250 प्रतिभागियों ने इन व्याख्यान को ऑनलाइन सुना।**

राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र ने आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में 2022 में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष को मनाने के लिए 30 अप्रैल से 4 जून, 2021 तक एक वेबिनार श्रृंखला - भारतीय ध्रुव एवं समुद्र मिशन का आयोजन किया।

आईआईटीएम, पुणे ने 22 अप्रैल,2021 **को पृथ्वी दिवस 2021 मनाया।**

राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केन्द्र ने 'भारत का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 30 अप्रैल, 2021 को ''वायुमंडलीय विज्ञान में हाल की प्रगति के संबंध में आमंत्रित व्याख्यान'' विषय पर एक एकदिवसीय वेबिनार का आयोजन किया।

इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर फोर ऑपरेशन ऑशिनोग्राफी, भारतीय राष्ट्रीय समुद्री सूचना सेवा केन्द्र द्वारा ''फिशरीज ओशिनोग्राफी फोर फ्यूचर प्रोफेशनल्स' विषय पर एक सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। कुल एक सौ चालीस (140) प्रतिभागियों ने 19-23 अप्रैल, 2021 के दौरान इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

<u>प्रकाशन</u>

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2020 - मार्च, 2021	अप्रैल, 2021	कुल	अप्रैल 2020 - मार्च, 2021	अप्रैल, 2021	कुल
वायुमंडलीय विज्ञान	255	25	280	4	1	5
समुद्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	120	9	129	2	0	2
ध्रुवीय विज्ञान	56	5	61	1	0	1
भू- विज्ञान एवं संसाधन	57	6	63	0	0	0
कुल	488	45	533	7	1	8

<u>माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग</u>

पोत	समुद्र में दिन/उपयोग	रखरखाव/निरीक्षण/वैज्ञानिक लॉजिस्टिक्स/समुद्री यात्रा की तैयारी	समुद्री यात्राओं की संख्या
सागर निधि	30	0	1
सागर मंजुषा	0	30	0
सागर तारा	6	24	1
सागर अन्वेषिका	9	21	1
सागर कन्या	29	1	1
सागर संपदा	0	30	0

अनुलग्नक II

फा.सं. एमओईएस/20/01/2017-स्थापना
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: मई, 2021

प्रमाण पत्र

(माह मई 2021 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति अप्रैल, 2021 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-11
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-02
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-01
(ड़) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-01

(अंजू भल्ला)
संयुक्त सचिव
Js.moes@gov.in